www.facebook.com/kheldhaba www.youtube.com/kheldhaba www.twitter.com/kheldhaba www.kheldhaba.com

खेल ढाबा

पटना, बुधवार, 20 सितम्बर, 2023, ई-पेपर

RNI NUMBER APPLIED

बाबर आजम को मिला मियांदाद व मिस्बाह का समर्थन पेज 04

झारखंड अंतर जिला फुटबॉल : जमशेदपुर और गोड्डा में खिताबी भिड़ंत आज पेज 02

पूरी तरह फिट और राष्ट्रीय टीम में वापसी को तैयार हूं: दीपक चाहर पेज 04

ससेक्स पर 12 अंकों का जुर्माना, चेतेश्वर पुजारा एक मैच के लिए निलंबित पेज 04

संक्षिप्त खबरें

आईएसएसएफ विश्व कप में भारत की निश्चल ने जीता रजत

रियो डी जनेरियो। भारत की निश्चल ने सोमवार को ब्राजील के रियो डी जनेरियो में आईएसएसएफ विश्व कप 2023 में महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में रजत पदक जीता। आईएसएसएफ विश्व कप के अंतिम दिन 19 वर्षीय भारतीय निशानेबाज के पोडियम फिनिश के साथ भारत के पदकों की संख्या दो हो गई। इससे पहले इलावेनिल वलारिवन ने शनिवार को महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। रियो में आयोजित आईएसएसएफ विश्व कप में कुल 16 भारतीय निशानेबाजों ने हिस्सा लिया था। हालांकि, एशियाई खेल में भाग लेने वाले भारत के निशानेबाजों ने इस मीट में हिस्सा नहीं लिया। भारत के 2018 एशियाई खेलों के चैंपियन सौरभ चौधरी गुरुवार को पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में असफल रहे। इस साल की शुरुआत में बाकू में सीनियर आईएसएसएफ विश्व कप में डेब्यू करने वाली निश्चल ने रियो में फाइनल में नीलिंग, प्रोन और स्टैंडिंग पोजीशन में 458.0 का स्कोर बनाया और नॉर्वे की जेनेट हेग डुएस्टैड से पीछे रहीं, जिन्होंने 461.5 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। जेनेट हेग डुएस्टैड तीन बार की विश्व चैंपियन और ओलंपियन हैं। डेनमार्क की स्टेफ़नी ग्रंडसो ने 447.6 अंकों के साथ रियो में कांस्य पदक जीता। निश्चल ने अपने दिन की शुरुआत एलिमिनेशन राउंड में 587 स्कोर के साथ की। फाइनल के लिए क्वालिफिकेशन राउंड में, निश्चल ने 592 का स्कोर बनाकर अंजुम मौदगिल के पिछले साल प्रेसिडेंट कप में बनाए गए 591 के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

बिहार व झारखंड पेज-2 पर
एशियन गेम्स पेज-3 पर
मिशन विश्व कप पेज-4 पर

भारतीय गोलकीपर गुरमीत सिंह चहल ने इस दौरान काबिलेतारीफ प्रदर्शन करते हुए विरोधी कप्तान झू चेनजी की पेनल्टी किक को भी रोका।

जीत के बाद भारतीय वॉलीबॉल टीम के सदस्य प्रसन्न मुद्रा में।

फुटबॉल में हारा पर वॉलीबॉल में जीता भारत

चीन ने 5-1 से पराजित किया, पहले हाफ में स्कोर 1-1, म्यांमार भी जीता

हांगझोउ, 19 सितंबर

भारतीय फुटबॉल टीम को मंगलवार को यहां एशियाई खेलों के अपने पहले ग्रुप मैच में मेजबान चीन के खिलाफ 1-5 की करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। चीन के लिए ताओ कियांगलोंग (72वें और 75वें मिनट) ने दो गोल दागे जबकि गियाओ तियानयी (17वें मिनट), डेई वेइजुन (51वें मिनट) और हाओ फेंग (90 प्लस दो मिनट) ने एक-एक गोल किया।

थकी हुई और तैयारी के बिना उतरी भारतीय टीम के लिए एकमात्र गोल राहुल केपी (45 प्लस एक मिनट) ने किया जो संभवतः मैच का सर्वश्रेष्ठ गोल रहा। भारत की तीसरी दर्जे की टीम ने हालांकि शुरुआती 45 मिनट में खिताब के दावेदार चीन को कड़ी टक्कर दी। भारतीय गोलकीपर गुरमीत सिंह चहल ने इस दौरान काबिलेतारीफ प्रदर्शन करते हुए विरोधी कप्तान झू चेनजी की पेनल्टी किक को भी रोका। दूसरे दौर में जगह बनाने के लिए भारत को अब अपने बाकी बचे दो मैचों में बांग्लादेश और म्यांमार को हराना होगा। इसी ग्रुप के एक अन्य मैच में म्यांमार ने बांग्लादेश को 4-2 से हराया।

भारतीय टीम सोमवार देर शाम खेल गांव पहुंची थी। टीम के पास चार विशेषज्ञ डिफेंडर भी नहीं हैं और रक्षा पंक्ति के बीच समन्वय की कमी भी नजर आई। टीम थकी हुई भी दिखी और उनसे करिश्मे की उम्मीद करना बेमानी था। दोनों टीम के बीच बड़ा अंतर देखने को मिला। उमस और ट्रेनिंग की कमी के कारण अंतिम आधे घंटे में भारतीय टीम काफी थकी हुई लगी और उसके पास चीन के खिलाड़ियों का कोई जवाब नहीं था। संदेश झिंगन की गलती से दूसरा गोल होने के बाद चीन को तीन और गोल करने में अधिक परेशानी नहीं हुई। झिंगन ने अपने पेनाल्टी बॉक्स में इसके बाद एक और गलती की जिसका फायदा उठाकर चीन ने गोल किया।

कप्तान सुनील छेत्री 85 मिनट तक मैदान पर रहे लेकिन साथी खिलाड़ियों की उम्दा मूव बनाने में नाकामी के कारण उन्हें अधिक मौके नहीं मिले। भारत के लिए राहुल केपी का प्रदर्शन सकारात्मक पक्ष रहा। अंडर-17 विश्व कप में खेल चुके राहुल दाएं छोर से अब्दुल रबीह के पास पर मिली गेंद को लेकर आगे बड़े और चीन के डिफेंडर और गोलकीपर को छकाकर गोल करने में सफल रहे।

इससे पहले गियाओ ने 17वें मिनट में ही चीन को बढ़त दिला दी थी। मध्यांतर पर स्कोर 1-1 से बराबर था। दूसरे हाफ में भारतीय खिलाड़ी थके हुए नजर आए। अधिकांश खिलाड़ी अपने इंडियन सुपर लीग क्लब के पहली पसंद के स्थानापन्न खिलाड़ी भी नहीं थे और साफ दिखा कि मैच फिटनेस बड़ा मुद्दा रही। स्तरीय खिलाड़ियों की कमी के लिए फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) भी जिम्मेदार है जिसने फीफा के नियम दिखाकर अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय प्रतियोगिता के लिए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी उतारने के प्रयासों को नाकाम किया।

पुरुष वर्ग में कंबोडिया को 3-0 से हराया, आज दक्षिण कोरिया से मैच

हांगझोउ, 19 सितंबर

चीन के हांगझोऊ में एशियाई खेल में भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम ने मंगलवार को शुरुआती मैच में कंबोडिया को 3-0 से हरा दिया। पूल सी के एक मैच में भारत ने कमजोर कंबोडिया के खिलाफ 25-14, 25-13, 25-19 से आसान जीत दर्ज की।

भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम ने ग्रुप-सी के तीसरे मुकाबले में एकतरफा जीत हासिल की। टीम ने कंबोडिया को पहले गेम में 25-14 के अंतर से हराया। टीम ने पहला गेम 22 मिनट में जीता। इसी प्रकार दूसरा गेम 19 मिनट में 25-13 और तीसरा 19 मिनट में 25-19 से हराया। भारतीय टीम को सबसे ज्यादा अंक जर्सी नंबर-11 अश्वराज ने दिलाए। उन्होंने 17 अंक अर्जित किए, वहीं कंबोडिया से जर्सी नंबर-15 मॉर्गन ने सबसे ज्यादा 9 अंक बटोरे। टीम अपने अगले मुकाबले में बुधवार को दक्षिण कोरिया से लोहा लेगी। एशियाई खेलों में भारत समेत कुल 19 टीमें हिस्सा ले रहीं है जिनमें जापान, चीन और दक्षिण कोरिया में से किसी एक को सबसे बड़ा दावेदार माना जा रहा है। भारतीय पुरुष टीम ने इस खेल में अब तक तीन पदक जीते हैं। टीम 1962 में दूसरे स्थान पर रही थी जबकि 1986 में उसने कांस्य पदक जीता था।

एशियाई खेल 2023 वॉलीबॉल

भारत की पुरुष और महिला टीमें भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीमः अमित, विनीत कुमार, एस अम्मारामबाथ, मुथुसामी अप्पावु, हरि प्रसाद, रोहित कुमार, मनोज लक्ष्मीपुरम मंजूनाथ, यू मोहन, अश्वल राय, संतोष सहाय एंथोनी राज, गुरु प्रशांत सुब्रमण्यम वेंकटसुब्बू, एरिन वर्गीस

भारतीय महिला वॉलीबॉल टीमः मिनिमोल अब्राहम, जिंसी जॉनसन, अनुश्री कंब्रथ पोयिलिल, असवानी कंदोथ, जिनी कोवत शाजी, सरन्या, शिल्पा राजेंद्रन नायर सिंधु, अश्वथी रवींद्रन, शालिनी सरवनन, सुजी विजयन

मिशन एशियाड **अबतक 18 एशियन गेम्स में भारत ने अबतक 155 स्वर्ण पदक समेत कुल 672 पदक जीते हैं**

पदक जीतने में एथलेटिक्स सबसे आगे, कुश्ती दूसरे नंबर

हांगझोऊ में एशियाई खेलों का विधिवत उद्घाटन 23 सितंबर को होगा। ऐसे स्पर्धाएं शुरू हो चुकी हैं। इस बार भारतीय दल का लक्ष्य है अबकी बार, सौ के पार। इस लक्ष्य को लेकर इस बार अबतक का सबसे बड़ा भारत ने वहां भेजा है। खेलढाबा आपको यहां बता रहा है अबतक के 18 एशियन गेम्स में भारतीय दल का क्या परफॉरमेंस रहा है और किस खिलाड़ी ने सबसे ज्यादा मेडल जीते हैं।

भारतीय खेल प्रशासक गुरु दत्त सोंधी सबसे पहले एशियन खेलों की परिकल्पना की। वे तीन ओलंपिक खेलों में भारतीय हॉकी टीम के मैनेजर थे। एशियन गेम्स की शुरुआत का उद्देश्य एशियाई देशों के बीच सद्भाव और समझ को बढ़ावा देना था। एशियन गेम्स की शुरुआत की आधिकारिक नींव 1949 में हुई एशियन एथलेटिक्स फेडरेशन की बैठक में रखी गई थी और पहले एशियाई खेलों का आयोजन 1951 में भारत में हुई था। भारत ने तब से लेकर अब तक हुए सभी 18 एशियन गेम्स में हिस्सा लिया है। हालांकि इस एसोसिएशन को 1981 में भंग कर दिया गया था, फिर भी भारत को एशियाई खेलों के प्रमुख संस्थापक सदस्यों में से एक माना जाता है।

1951 से लेकर 2018 तक खेले 18 एशियन गेम्स में भारत 672 मेडल जीत चुका है। इसमें 155 गोल्ड, 201 सिल्वर और 316 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। हिंदुस्तान की झोली में गिरे ये तमाम मेडल 32 खेलों की देन हैं।

एशियाई खेलों में भारत के नाम सबसे ज्यादा 254 मेडल एथलेटिक्स से हैं, जिसमें 79 गोल्ड, 88 सिल्वर और 87 ब्रॉन्ज है। भारतीय दल ने सर्वाधिक मेडल एथलेटिक्स स्पर्धा में जीते हैं। भारत ने अब तक एशियाई खेलों में एथलेटिक्स में 70 स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। 88 रजत और 87 कांस्य पदक उसके नाम है। कुल मिला कर 254 पदक एथलेटिक्स स्पर्धा में अबतक भारत ने जीते है। भारत से आगे चीन है और जापान तीसरे नंबर पर है।

कुश्ती दूसरा खेल है, जिसमें भारत सबसे ज्यादा सफल है। इस खेल में 11 गोल्ड के साथ भारत ने 59 मेडल जीते हैं।

निशानेबाजी और मुक्केबाजी में 9-9 गोल्ड के साथ 58 और 57 मेडल जीते हैं। टेनिस और कबड्डी में भी भारत के 9-9 गोल्ड हैं। लेकिन मेडल की संख्या टेनिस में 32 और कबड्डी में 11 हैं।

कबड्डी में भारतीय दल की धाक रही है पर 2018 के एशियन गेम्स में यह धाक खत्म हो गई। भारत ने एशियन गेम्स में कबड्डी में 11 मेडल जीते हैं, जिनमें से 9 गोल्ड मेडल रहे हैं। एशियन गेम्स में कबड्डी में हिस्सा लेने वाली सभी टीमों में भारत सबसे कामयाब रहा है। भारतीय पुरुष टीम ने 1990 से 2014 तक सभी एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीते, जबकि महिला टीम ने भी 2010 और 2014 के एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीता था। भारत की कबड्डी में धाक का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इन खेलों में सर्वाधिक गोल्ड जीतने के मामले में दूसरे नंबर पर मौजूद ईरान ने केवल 2 गोल्ड मेडल जीते हैं।

क्यू स्पोर्ट्स में भारत 5 गोल्ड के साथ 15 मेडल जीत चुका है। वहीं फील्ड हॉकी में 4 गोल्ड के साथ 21 मेडल हैं। हॉकी को 1958 एशियन गेम्स में शामिल किया गया था। 1958 में एशियन गेम्स में शामिल किए जाने के बाद से भारत केवल एक बार 2006 में ही मेडल जीतने से चूका है, वर्ना उसने हर एशियन गेम्स में हॉकी में मेडल जीते हैं। भारत ने एशियाई खेलों में हॉकी में 15 मेडल जीते हैं, जिनमें 3 स्वर्ण, 9 रजत और 3 कांस्य पदक शामिल हैं। हॉकी में भारत के बाद पाकिस्तान ने ही सबे अच्छा प्रदर्शन किया है। पाकिस्तान ने एशियन गेम्स में हॉकी में भारत से कम मेडल जीते हैं लेकिन 8 गोल्ड जीतते हुए पहला स्थान हासिल करने के मामले में वो सबसे आगे है। हॉकी में गोल्ड जीतने के मामले में 4 गोल्ड के साथ साउथ कोरिया दूसरे स्थान पर है। वहीं भारतीय महिला टीम ने एशियाई खेलों में हॉकी में एकमात्र गोल्ड मेडल 1982 एशियन गेम्स में जीता था। कुल मिलाकर भारतीय महिला हॉकी टीम 6 मेडल के साथ इन खेलों की चौथी सबसे कामयाब टीम है।

घुड़सवारी, गोल्फ और बोर्ड गेम्स में 3-3 गोल्ड के साथ भारत ने 12, 6 और 7 मेडल जीते हैं। रोइंग, डाइविंग और फुटबॉल में 2-2 गोल्ड हैं। हालांकि, जीते गए कुल मेडल की संख्या रोइंग में 21 जबकि डाइविंग और फुटबॉल में 5 और 3 है। सेलिंग, तीरंदाजी, स्क्वैश, स्विमिंग और वाटर पोटो वो 5 गेम है, जिसमें भारत ने सिर्फ 1-1 गोल्ड जीता है। लेकिन, कुल जीते मेडल उसके सेलिंग में 20, तीरंदाजी में 10, स्क्वैश में 13, स्विमिंग में 9 और वाटर पोटो में 3 हैं। इसके अलावा बैडमिंटन, वेटलिफ्टिंग, टेबुल टेनिस और जिम्नास्टिक ये कुछ ऐसे बड़े खेल हैं, जिसमें भारत के गोल्ड मेडल का खाता खुलना अभी बाकी है। 32 खेलों में से ये 4 समेत कुल 13 ऐसे खेल हैं, जिसमें भारत ने मेडल तो जीता है पर उसका रंग सुनहरा नहीं रहा है। एशियन गेम्स 2023 में भारत के तकरीबन 655 खिलाड़ी 40 अलग-अलग खेलों में हिस्सा ले रहे हैं। अब जितने ज्यादा खिलाड़ी उम्मीदें भी उतनी ज्यादा। अगर ये उम्मीद परवान चढ़ी तो फिर हिंदुस्तान की गोल्डन जीत में तो इजाफा दिखेगा ही, इसके अलावा साल 1986 में सियोल में हुए एशियन गेम्स के बाद पहली बार ऐसा होगा, जब भारत मेडल टैली में टॉप 5 में नजर आएगा।

भारत के सबसे सफल एथलीट

1. लिएंडर पेस (टेनिस)- 8 मेडल (5 गोल्ड, 3 ब्रॉन्ज)
2. पीटी उषा (एथलेटिक्स)- 11 मेडल (4 गोल्ड, 7 सिल्वर)
3. जसपाल राणा (शूटिंग)- 8 मेडल (4 गोल्ड, 2 सिल्वर, 2 ब्रॉन्ज)
4. मिल्खा सिंह (एथलेटिक्स)- 4 मेडल (4 गोल्ड)
5. परदुमन सिंह बराड़ (एथलेटिक्स)-5 मेडल (3 गोल्ड, 1 सिल्वर, 1 ब्रॉन्ज)

खेलढाबा.कॉम के साथ जुड़कर अपने बिजनेस को दें नई उड़ान

विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें

Call For Advertisment

7870100025

संक्षिप्त खबरें

विश्व कुश्ती में नेहा शर्मा कांस्य पदक की दौड़ में

बेलग्रेड। भारतीय महिला पहलवान नेहा शर्मा मंगलवार को यहां रेपेशॉज चरण में मारिया विनीक को हराकर कांस्य पदक मुकाबले के लिए जगह बनाने में सफल रही, जबकि उनकी हमवतन सरिता मोर और दिव्या काकरान यूडब्ल्यूडब्ल्यू (युनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग) विश्व चैंपियनशिप के शुरुआती दौर के मुकाबले हार गईं। गैर-ओलंपिक 55 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा कर रही नेहा ने यूक्रेन की सातवीं वरीयता प्राप्त मारिया विनीक को अंकों के आधार पर 7-4 से हराया। वह कांस्य पदक के लिए जर्मनी की अनास्तासिया ब्लायवास से मुकाबला करेंगी। उन्नीसवीं वरीयता प्राप्त नेहा अगर इस मुकाबले को जीतने में सफल रही तो यह विश्व चैंपियनशिप के इस सत्र में भारतीय दल का पहला पदक होगा। भारतीय कुश्ती महासंघ पर प्रतिबंध होने के कारण भारतीय पहलवान युनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग के झंडे तले खेल रहे है।

एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप क्वालीफायर में हारा भारत

बुरिराम (थाईलैंड)। भारत की अंडर-17 महिला टीम को मंगलवार को यहां एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप क्वालीफायर के दूसरे दौर के अपने पहले मुकाबले में कोरिया के खिलाफ 0-8 की करारी हार का सामना करना पड़ा। प्रतियोगिता में हिस्सा ले रही शीर्ष टीमों में शामिल कोरिया का भारतीय खिलाड़ियों के पास कोई जवाब नहीं था। कोरिया की ओर से कप्तान वोन ज्युएन ने पेनाल्टी किक पर दो गोल सहित कुल तीन गोल के साथ हैट्रिक बनाई। सियो मिनजियोंग पार्क जुहा और स्थानापन्न खिलाड़ी हेन गुखी ने भी कोरिया की ओर से गोल दागे। शिवानी टोप्पो के आत्मघाती गोल से भारत की हार का अंतर और बढ़ गया। कोरिया ने पहले हाफ में दो जबकि दूसरे हाफ में छह गोल किए।

बड़े लक्ष्यों को हासिल करने के लिए निरंतरता पर ध्यान दूंगा: रुद्रांक्ष पाटिल

नईदिल्ली। विश्व चैंपियन एयर राइफल निशानेबाज रुद्रांक्ष पाटिल आगामी एशियाई खेलों और एशियाई चैंपियनशिप में 'निरंतरता' बनाये रखना चाहते हैं जिससे उन्हें अगले साल के पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण जीतने के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी। पिछले साल काहिरा में विश्व चैम्पियनशिप जीतने के बाद से शानदार लय में चल रहे रुद्रांक्ष हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के दावेदार हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिता हमें निशानेबाजी की बड़ी स्पर्धाओं की तैयारी के लिए मददगार होती है। इस 19 साल के निशानेबाज ने पेरिस ओलंपिक की तैयारियों में एशियाई खेलों और फिर एशियाई चैम्पियनशिप (कोरिया) की भूमिका के बारे में पूछे जाने पर 'पीटीआई-भाषा' से कहा, '' हमारा पूरा ध्यान प्रदर्शन में निरंतरता बनाये रखने पर है। हम अपने प्रदर्शन के स्तर को बरकरार रखते हुए, इसमें और सुधार करना चाहते है।

हम विश्व चैम्पियन है, एशियाई खेलों में भी जीत के दावेदार: लक्ष्य सेन

नईदिल्ली। युवा बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने कहा कि थॉमस कप चैम्पियन भारतीय टीम एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक की दावेदार होगी। सेन 2021 में विश्व चैम्पियनशिप के कांस्य पदक विजेता है। वह पिछले साल मई में भारत की थॉमस कप जीत में अहम भूमिका निभाने वालों में से एक थे। उन्होंने कहा कि एशियाई खेलों में भारत स्वर्ण पदक का प्रबल दावेदार होगा। सेन ने कहा, '' निश्चित रूप से हम जीत के दावेदार हैं। टीम वास्तव में दमदार दिख रही है।'' उन्होंने कहा, ''यह वही टीम है जिसने थॉमस कप जीता था, इसलिए हम विश्व चैंपियन के रूप में जा रहे हैं। मुझे लगता है कि जो खिलाड़ी हमारे खिलाफ खेल रहे हैं वे जानते हैं कि भारत को हराना आसान नहीं है। हम दुनिया की किसी भी टीम को हरा सकते हैं।'' सेन ने कहा कि एशियाई खेलों में चैंपियन बनने के लिए पूरी टीम को एकजुटता से प्रयास करने होंगे।

सुब्रतो कप: त्रिपुरा स्पोर्ट्स स्कूल ने मिजोरम स्कूल को हराया

नई दिल्ली। 62वां सुब्रतो कप अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट जूनियर गर्ल्स (अंडर 17) के ग्रुप चरण के मैचों के साथ यहां डॉ. बीआर अंबेडकर स्टेडियम में अपनी पूरी भव्यता के साथ शुरू हुआ। भव्य उद्घाटन समारोह के बाद शुरू हुए टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में त्रिपुरा स्पोर्ट्स स्कूल, त्रिपुरा ने सरकारी बेथलहम वेंगथलांग मिडिल स्कूल -2, मिजोरम को 3-1 से हराया। विजेताओं के लिए श्रिया देब ने दो और मरीना जमातिया ने तीसरा स्कोर किया। मिजोरम की ओर से लालावमजुअली ने सांत्वना भरा गोल किया। टूर्नामेंट की शुरुआत एयर मार्शल आरके आनंद वीएसएम, एयर ऑफिसर-इन-चार्ज (प्रशासन) और उपाध्यक्ष, सुब्रतो मुखर्जी स्पोर्ट्स एजुकेशन सोसाइटी (एसएमएसईएस) द्वारा की गई। ग्रुप चरण के दूसरे दिन चार स्थानों पर 15 मैच खेले जाएंगे क्योंकि टूर्नामेंट पूरे प्रवाह में होगा और कुछ रोमांचक एक्शन प्रदान करने का वादा करेगा। जूनियर गर्ल्स वर्ग में कुल 32 टीमें मैदान में हैं जिन्हें आठ समूहों में विभाजित किया गया है।

बक्सर की लगातार दूसरी जीत

बक्सर, 19 सितंबर

जिला के डुमरांव बाजार में मोइनुल हक कप 71वीं बिहार राज्य अंतर जिला फुटबॉल प्रतियोगिता में मंगलवार को खेले गए मैच में बक्सर ने औरंगाबाद को 2-1 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। हालांकि बक्सर की टीम एक गोल से पिछड़ रही थी लेकिन उसने वापसी करते हुए जीत दर्ज कर ली।

रीजन एक के ग्रुप ए के दूसरे दिन ओल्ड भोजपुर मैदान पर खेले गये इस मैच में औरंगाबाद को सोनू कुमार ने 13वें

मोइनुल हक कप फुटबॉल

- जोन वन के ग्रुप ए के मुकाबले में औरंगाबाद को 2-1 किया पराजित
- तीनों गोल पहले हाफ में ही, बढ़त के बाद भी हारा औरंगाबाद

मिनट में गोल कर बढ़त दिला दी। लेकिन मध्यांतर होने तक दो गोलकर बक्सर ने जीत पी कर ली। पहले 38वें मिनट में अमित कुमार ने गोल कर बक्सर को बराबरी पर ला दिया। इसी तरह मध्यांतर से दो मिनट पहले एक और गोल हुआ, जिसे

मोइन रजा खान ने दागा। इस तरह मैच के तीनों गोल पहले हाफ में हुए। बक्सर ने अपने पहले मैच में नालंदा को 2-0 से हराया था।

मुख्य रेफरी हरेन्द्र कुमार यादव ने औरंगाबाद के पप्पू कुमार और सोनू कुमार को पीला कार्ड दिखाया। सहायक रेफरी के रूप में तरुण कुमार, विशाल कुमार और मिथिलेश कुमार थे।

इससे पहले नगर परिषद डुमरांव के वार्ड पार्षद ने मैच का उद्घाटन किया। इस दौरान राजू सिंह, संतोष कुमार पांडेय, मंगलेश दूबे, जनार्दन सिंह, लक्ष्मण चौधरी, सत्येन्द्र चौधरी मौजूद थे।

झारखंड अंतर जिला फुटबॉल : जमशेदपुर और गोड्डा में खिताबी भिड़ंत आज

गढ़वा, 19 सितंबर

गढ़वा जिला फुटबॉल संघ की मेजाबनी में आयोजित हो रही झारखंड राज्य अंतर जिला फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला बुधवार को रंका उच्च विद्यालय के मैदान पर खेला जायेगा। जमशेदपुर एवं गोड्डा के बीच फाइनल मुकाबला होगा। फाइनल मैच के अवसर पर समापन समारोह को लेकर आयोजन समिति के लोग दिन-रात लगे हुए हैं। समापन समारोह को भव्यता प्रदान करने के लिए बाहर से कई टीम पहुंची है जो सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेगी। इसमें छयु नृत्य,जबलपुर का ताशा बैंड, कस्तूरबा गांधी स्कूल का बैंड का प्रदर्शन किया जाएगा। समापन समारोह में विभिन्न तरह के आतिशबाजी भी की जाएगी। मैच के सफल संचालन के लिए की मैच कमिश्नर भी टीम पहुंच चुकी है। इसके अलावा रेफरी की टीम भी वहां मौजूद रहेंगे। समापन समारोह के मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश ठाकुर उपस्थित रहेंगे। आयोजन समिति के सचिव आलोक मिश्रा में बताया कि समापन समारोह में दर्शकों की काफी भीड़ पहुँचेगी।

खेल के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य के लिए सतीश राजू हुए सम्मानित

पटना, 19 सितंबर

मानवाधिकार सहायता संघ बिहार प्रदेश की ओर से भाजपा क्रीड़ा प्रकोष्ठ के संयोजक सतीश राजू को खेल की दिशा में बेहतरीन कार्य करने के लिए पटना में सम्मानित किया गया। इस मौके पर मानवाधिकार सहायता संघ बिहार प्रदेश के अध्यक्ष अभय नाथ ने कहा कि भाजपा क्रीड़ा प्रकोष्ठ ने

- मानवाधिकार सहायता संघ बिहार प्रदेश ने किया सम्मानित

विगत कई वर्षों से बिहार में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन और खिलाड़ी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जो बिहार के खिलाड़ियों और नई प्रतिभाओं के लिए एक बढ़िया अवसर होता है।

इस अवसर पर सतीश राजू ने कहा कि भाजपा क्रीड़ा प्रकोष्ठ ने प्रत्येक जिले में खेल कार्यक्रम का आयोजन कर उन्हें एक मंच देने का काम करती रही है जिससे गांव-गांव में छिपे खिलाड़ी बाहर निकलते हैं और प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने बेहतरीन खेल से बिहार का नाम राष्ट्रीयस्तर पर रौशन करते हैं।

इस अवसर कई वक्ताओं ने भाजपा क्रीड़ा प्रकोष्ठ और सतीश राजू के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हम सभी खेल को बढ़ावा देने के लिए कृत संकल्प है। इस अवसर पर जयबिन्द विद्यार्थी प्रदेश संयोजक, मनीष कुमार श्रीवास्तव प्रदेश उपाध्यक्ष, कुंदन कुमार महासचिव युवा प्रकोष्ठ कौशल किशोर समेत कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कुश्ती स्पर्धा के साथ राज्य स्तरीय खेलो झारखंड का आगाज

रांची, 19 सितंबर

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के द्वारा राज्य शिक्षा परियोजना परिषद के तत्वावधान में गणपत राय इंडोर स्टेडियम, खेल गांव, रांची में कुश्ती प्रतियोगिता के साथ राज्य स्तरीय खेलो झारखंड 2023-24 का शुभारंभ हुआ।

खेलो झारखंड 2023-24 के राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि के. रवि. कुमार, सचिव, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग झारखंड सरकार, भोलानाथ सिंह (महासचिव, हॉकी इंडिया), रजनीश कुमार (महासचिव, झारखंड राज्य कुश्ती संघ), मुकुल टोपनो, विजय शंकर सिंह (महासचिव, झारखंड हॉकी संघ), धीरसेन सोरेंग (राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी) द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। उद्घाटन समारोह की शुरुआत खेलो झारखंड एंथम के साथ की गई, जिसके पश्चात हनुमान जी की पूजन एवं नारियल फोड़ कर एवं खिलाडियों से हाथ मिला कर पारंपरिक रुप से शुरू की गई। समारोह में भारतीय लोक कल्याण संस्थान रांची के कलाकारों द्वारा नागपुरी लोकनृत्य एवं पारंपरिक वादय यंत्रों की प्रस्तुति दी गई। मंच संचालन कोषांग के चंद्रदेव सिंह ने किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रवि कुमार ने कहा की सरकारी विद्यालयों से अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता बनाना हमारा लक्षय है, इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विभाग विद्यालय से ले कर राज्य स्तर तक 28 खेलो का आयोजन कर रही है। खिलाडियों के लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था विद्यालय में हो सके इस ओर हमने कदम बढ़ाया है। वहीं विशिष्ट अतिथि श्री भोला नाथ सिंह ने कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा खेलो झारखंड का बेहतरीन आयोजन किया जा रहा है, जिसमें खिलाडियों को दिए जाने वाली सुविधाएं के लिए धन्यवाद देता हूं, सभी स्तर पर विभाग के सफल आयोजन में कार्यरत शारीरिक शिक्षा शिक्षकों का अमूल्य योगदान दे रहे है, पूरा झारखंड खेलमय हो गया है। खेलो झारखंड आयोजन में शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद कोषांग के समीर कुमार, विद्या कुमारी, एम मोदस्सर, शंकर पाल, मो जावेद अंसारी, उमेश दास, जगजीत सिंह एवं चंद्रदेव सिंह मुख्य रूप से उपस्थित थे।

प्रतियोगिता के परिणाम

अंडर 17 बालिका वर्ग : 36 से 40 किलो वजन भर में खुशबू तिर्की (जेएसएसपीएस) एवं अस्मिता कुमारी, 43 किलो वजन भार में श्वेता कुमारी (कोडरमा) एवं प्राची कुजूर (जेएसएसपीएस), 49 किलो वजन भार में पूनम उरांव (जेएसएसपीएस) एवं शिखा कुमारी (गढ़वा), 53 किलो वजन भर में सीता कुमारी (गुमला) एवं स्नेहा कुमारी (जेएसएसपीएस), 57 किलो वजन भर में मोनी कुमारी (बोकारो) एवं प्रीति प्रिया (जेएसएसपीएस), 61 किलो वजन भर में पम्मी कुमारी (बोकारो) एवं सिमरन विल्सन (जेएसएसपीएस), 65 किलो वजन भर में पांसूरी (पाकुड़) एवं कुमकुम नायक (जेएसएसपीएस), 73 किलो वजन भर में अनुराधा कुमारी (गढ़वा) एवं दिव्या कुमारी (देवघर) ने फाइनल में प्रवेश किया। **अंडर 14 बालक वर्ग** : 35 केजी वजन भर में सुनील पहाड़िया (पाकुड़) एवं तापस पांडे (सरायकेला), 38 केजी वजन भर में तेजस्वी यादव (हजारीबाग) एवं सूरज उरांव (लोहरदगा), 41 किलो वजन भर में सागर कुमार (कोडरमा) एवं संजीव कुमार महतो (पाकुड़), 44 किलो वजन भर में पतंग उड़ाओ (लोहरदगा) एवं अमित कुमार (गढ़वा), 48 किलो वजन भर में रोहित कुमार (लोहरदगा) एवं गोलू कुमार यादव (साहिबगंज), 52 किलो वजन भर में संदीप कुमार (बोकारो) एवं प्रिंस कुमार यादव (धनबाद), 57 केजी वजन भर में अमित कुमार (जेएसएसपीएस) एवं आनंद कुमार सिंह (कोडरमा),62 केजी वजन भर में विवेक कुमार सिंह (कोडरमा) एवं रुद्र राज (दुमका),68 किलो वजन भर में मोहम्मद जीशान (दुमका) एवं प्रिंस राज (गुमला) ने फाइनल में प्रवेश किया।

पूर्वी चंपारण जिला क्रिकेट क्लबों व प्लेयरों का रजिस्ट्रेशन 25 से

मोतिहारी , 19 सितंबर

पूर्वी चंपारण जिला क्रिकेट संघ (इसीडीसीए) के नई कमिटि का गठन पिछले 4 सितंबर को हो गया हैं। नई कमिटि को बिहार क्रिकेट एसोसिएशन(बीसीए) के द्वारा अनुमोदन/मान्यता भी प्राप्त हो गया हैं। नई कमिटि में आकर्षण आदित्व (अध्यक्ष), ज्ञानेश्वर गौतम(उपाध्यक्ष), रवि राज(सचिव), कन्हैया प्रसाद(संयुक्त सचिव),अभिषेक कुमार ठाकुर(कोषाध्यक्ष) बनाये गए हैं। वही वरिष्ठ खिलाड़ी अयाज अहमद (क्लब प्रतिनिधि),ब्यूटी कुमारी (खिलाड़ी प्रतिनिधि महिला), मधुरेन्द्र कुमार सिंह(खिलाड़ी प्रतिनिधि पुरुष), प्रीतेश रंजन(मीडिया प्रभारी), रामप्रकाश सिन्हा (चयन समिति चेयरमैन), संजय कुमार टुन्ना (चयनसमिति कन्वेनर), प्रकाश रंजन (चयन समिति सदस्य), मो.अरमान(लेखापाल) और अभिषेक कुमार उर्फ छोटू (कोच) चुने गए हैं।

मंगलवार यानी 19 सितंबर को राजाबाजार मोतिहारी स्थित स्थानीय खेल भवन में इसीडीसीए नई कमिटि की पहली बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता बीसीए गवर्निंग काउंसिल के कन्वेनर सह इसीडीसीए उपाध्यक्ष ज्ञानेश्वर गौतम ने किया। बीसीए गवर्निंग काउंसिल कन्वेनर व नवनियुक्त इसीडीसीए प्रतिनिधियों को सम्मानित करने के उपरांत नए सत्र में क्रिकेट संचालन पर

चर्चा की गई। बीसीए गवर्निंग काउंसिल के कन्वेनर सह इसीडीसीए उपाध्यक्ष ज्ञानेश्वर गौतम व सचिव रवि राज ने प्रेस को संयुक्त रूप से संबोधित करते हुए बताया कि सत्र-2023-24 के लिए इसीडीसीए में क्रिकेट क्लब्स का निबंधन की प्रक्रिया 25 सितंबर से शुरू होगी। 25 सितंबर से 30 सितंबर के बीच क्रिकेट क्लब्स रजिस्ट्रेशन संबंधित फॉर्म जी. के.स्पोर्ट्स प्रतिष्ठान (चित्रमन्दिर कैम्पस बलुआ बाजार मोतिहारी) के साथ-साथ कमिटि ऑफ मैनेजमेंट (इसीडीसीए) से संपर्क कर प्राप्त कर सकते हैं। 01 अक्टूबर से 10 अक्टूबर के बीच सभी क्रिकेट क्लब्स रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूर्ण कर इसीडीसीए से निबंधित हो जायेंगे। वही 15 अक्टूबर से जिला में क्रिकेट गतिविधि का शुभारंभ कर दिया जाएगा। दिसंबर तक लीग क्रिकेट के सभी मैच को कराकर जनवरी 2024 से विभिन्न-विभिन्न आयु वर्ग के टीम के लिए क्रिकेट कैम्प का आयोजन कोच अभिषेक कुमार उर्फ छोटू की देख रेख में किया जाएगा। कैम्प के आधार पर विभिन्न-विभिन्न आयु वर्ग की पूर्वी चंपारण जिला टीम का चयन चयनसमिति के द्वारा किया जाएगा। वही संघ विरोधी गतिविधि के कारण जूलियन क्रिकेट क्लब रेड, रक्सौल क्रिकेट क्लब, फेनहारा क्रिकेट क्लब, चंदनबारा क्रिकेट क्लब ढाका व एम. जे. के. यूथ क्रिकेट क्लब सुगौली को 6 साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया। मौके पर इसीडीसीए प्रतिनिधियों के अलावे वरिष्ठ खिलाड़ी राशिद जमाल खान, रहमान खान, गुलाब खान, हरप्रीत सिंह सालूजा इत्यादि की उपस्थिति रही।

मिथिला सुपर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता का दूसरा सीजन 12 दिसंबर से

मधुबनी , 19 सितंबर

मधुबनी स्पोर्ट्स फाउंडेशन के तत्वावधान में मिथिला सुपर लीग सीजन-2 क्रिकेट प्रतियोगिता आगामी 12 दिसंबर से शुरू होगी। इसके लिए तैयारी शुरू कर दी गई है। प्रतियोगिता के चेयरमैन बिनोद दत्ता ने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए खिलाडियों का रजिस्ट्रेशन 16 से 30 सितम्बर तक रखा गया है। सभी खिलाड़ियों को मधुबनी जिला क्रिकेट संघ से रजिस्टर्ड होना अनिवार्य है। चेयरमैन बिनोद दत्ता ने बताया कि प्रतियोगिता में मधुबनी जिला के 6 अनुमंडल की टीमें भाग लेगी। जिसमें मधुबनी टाऊन टाइगर्स, फुलपरास पैंथर्स, बेनीपट्टी बुल्स, जयनगर वुल्स, झंझारपुर जगुआर और मधुबनी सदर शेर की टीम भाग लेगी। चेयरमैन बिनोद दत्ता ने बताया कि प्रतियोगिता के विजेता टीम को 2 लाख रुपया व ट्रॉफी और उप विजेता टीम को 1 लाख रुपया व ट्रॉफी प्रदान किया जायेगा। साथ ही मैन ऑफ द सीरीज, सर्व श्रेष्ठ बल्लेवाज, सर्व श्रेष्ठ गेंदवाज, सर्व श्रेष्ठ विकेटकीपर, सर्व श्रेष्ठ क्षेत्र रक्षक, सभी मैच में मैन ऑफ द मैच का

पुरस्कार दिया जायेगा। प्रतियोगिता का सभी मैच मधुबनी शहर के वाट्सन स्कूल के ऐतिहासिक मैदान में खेला जायेगा।

भाजपा क्रीड़ा प्रकोष्ठ का वृक्षारोपण सप्ताह के तहत बेली रोड के सहाय सदन के पास लगाये गए पौधे

पटना, 19 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 73वें जन्मदिन के अवसर पर भाजपा क्रीड़ा प्रकोष्ठ द्वारा चलाए जा रहे वृक्षारोपण सप्ताह के तहत मंगलवार को तीसरे दिन प्रदेश संयोजक सतीश राजू जी के नेतृत्व में पटना स्थित सहाय सदन, बेली रोड में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से बिहार भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष धीरेंद्र सिंह एवं प्रोटोकॉल प्रभारी मनोज कुमार शामिल हुए एवं वृक्षारोपण किया। उक्त अवसर पर बिहार भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष धीरेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर भाजपा क्रीड़ा प्रकोष्ठ द्वारा वृक्षारोपण सप्ताह का आयोजन करना सराहनीय कार्य है। आज के समय पौधारोपण करना स्वास्थ्य जीवन के लिए बहुत ही आवश्यक है। उक्त अवसर पर भाजपा क्रीड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सतीश राजू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदैव पर्यावरण संरक्षण हेतु कार्य करते है इसी लिए इस वर्ष उनके 73वें जन्मदिन के अवसर पर भाजपा क्रीड़ा प्रकोष्ठ ने वृक्षारोपण सप्ताह का आयोजन किया

है जिससे पर्यावरण संरक्षण हो और समाज के लोगों को सही पर्यावरण मिले। उक्त अवसर पर भाजपा क्रीड़ा प्रकोष्ठ के निवर्तमान सह संयोजक सह कार्यक्रम संयोजक मुकेश पासवान, प्रभारी विकास सिंह, राजीव रंजन यादव, आनंद सिन्हा सुशील कुमार, लक्ष्मण सिंह सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए बिहार महिला नेटबॉल टीम घोषित

पटना, 19 सितंबर

खरखोदा (सोनीपत, हरियाणा) में आयोजित होने वाली 41वीं सीनियर नेशनल नेटबॉल चैंपियनशिप (महिला) में भाग लेने के लिए बिहार टीम रवाना हो गई है। टीम को रवींद्र शंकरण (महानिदेशक, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण) और पंकज राज (निदेशक-सह-सचिव, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण) को शुभकामनाओं के साथ रवाना किया।

नेटबॉल बिहार टीम के सदस्यों का चयन विभिन्न प्रतियोगिताओं और सिवान जिले में पंद्रह दिनों के कैम्प में कार्यशाला के आयोजन के बाद किया गया है। इस चैंपियनशिप में हिस्सा लेने वाली महिला खिलाड़ियों के नाम क्रमशः नंन्दिनी कुमारी (कप्तान), सेजल कुमारी तिवारी (उप कप्तान), प्रियंका कुमारी, प्रतिमा कुमारी, खुशी कुमारी, रीना कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, नंन्दिनी कुमारी, अंजलि तिवारी, अंजलि पाण्डेय, प्रिया कुमारी और नीतू कुमारी हैं। इनके साथ करिश्मा कुमारी शर्मा (कोच) और संतोष कुमार (मैनेजर) के रूप में जा रहे हैं।

भारतीय महिला हॉकी हांगझाऊ रवाना।

एशियाई खेल के लिए भारतीय महिला हैंडबॉल टीम घोषित

लखनऊ, 19 सितंबर

चीन के हांगझोऊ में 23 सितंबर से शुरु होने वाले एशियाई खेलों के लिये भारतीय महिला हैंडबाल टीम की घोषणा मंगलवार को कर दी गयी।

महिला हैंडबॉल टीम की कप्तान रेलवे की ज्योति शुक्ला होंगी जबकि उपकप्तान हिमाचल प्रदेश की दीक्षा कुमारी बनाई गयी है। टीम में उत्तर प्रदेश की शिवा सिंह और तेजस्विनी सिंह का भी चयन किया गया है।

एशियन गेम्स के 19वें संस्करण में हैंडबॉल के मुकाबले 24 सितंबर से पांच अक्टूबर तक होंगे। इसके लिए टीम दिल्ली से 20 सितंबर को हांगझोऊ के लिए रवाना होगी।

भारतीय महिला हैंडबॉल टीम को प्रारंभिक राउंड के ग्रुप बी में जगह मिली है। इस ग्रुप में भारत के साथ चीन, जापान, नेपाल और हांगकांग चाइना को जगह मिली है। भारतीय टीम 25 सितंबर को जापान के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी। इसके बाद भारतीय टीम की 27 सितंबर को हांगकांग चाइना, 29 सितंबर को चीन और 30 सितंबर को नेपाल की टीम से टक्कर होगी।

अयोध्या के डा.भीमराव अंबेडकर इंडोर स्टेडियम में आयोजित टीम के शिविर की समाप्ति कें बाद रवानगी से पूर्व भारतीय टीम का विदाई समारोह लखनऊ में एक निजी होटल में किया गया। समारोह में उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ की अध्यक्ष व बीबीडी यूनिवर्सिटी की चांसलर अलका दास ने खिलाड़ियों को टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के कार्यकारी निदेशक डा.आनन्देश्वर पाण्डेय के अनुसार शिविर में खेल की तकनीक, इंडयोरेंस, स्टेमिना व गति में सुधार के लिए कड़ा अभ्यास कराया गया है।

19th Asian Games
Hangzhou 2022

एशियन गेम्स के लिए चयनित भारतीय महिला हैंडबॉल टीम

नीना शील (पश्चिम बंगाल), दीक्षा कुमारी, निधि शर्मा, शालिनी ठाकुर, भावना, मिताली शर्मा, प्रियंका ठाकुर (हिमाचल प्रदेश),शिवा सिंह, तेजस्विनी सिंह (उत्तर प्रदेश), मेनिका, , सुषमा, ज्योति शुक्ला, प्रियंका (भारतीय रेलवे), सोनिका, आशा (हरियाणा), पूजा कंवर (राजस्थान) कोच : एम.कार्तिकेयन, सचिन चौधरी, प्रवीण कुमार सिंह, मनीषा, अतनु मजूमदार

भारतीय हॉकी टीम को रहेगी विश्व नंबर 1 बनने की तलाश

हांगझाऊ, 19 सितंबर

ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने से लेकर विश्व कप हासिल करने तक पिछली एक सदी के दौरान अधिकांश समय हॉकी के शिखर पर रहने के बावजूद भारतीय टीम की विश्व की नंबर एक टीम बनने की हसरत फिलहाल पूरी नहीं हो सकी है।

एक जमाने में हॉकी में भारत का डंका बजता था और उसके सामने प्रतिद्वंदी टीम का टिक पाना बेहद मुश्किल समझा जाता था मगर समय के साथ पश्चिम के देशों ने भी हाकी में खुद को स्थापित किया। इस बीच रैंकिंग प्रणाली

बीजेपी क्रीड़ा प्रकोष्ठ खेल सम्मान

- वर्तमान समय में भारतीय पुरुष हॉकी टीम तीसरे नंबर पर है
- एशियाड का स्वर्ण पदक जीत कर अपने पोजिशन को ठीक करना लक्ष्य
- पेरिस ओलंपिक का टिकट कटाना भी भारतीय हॉकी टीम का उद्देश्य

2003 में अस्तित्व में आयी। नई रैंकिंग प्रणाली लागू होने के बाद से पिछले कुछ वर्षों में भारतीय हॉकी टीम की रैंकिंग में उतार-चढ़ाव आया है। 2003 में हॉकी रैंकिंग प्रणाली शुरू होने पर पुरुष टीम छठे स्थान पर थी। उसी साल भारत ने चिरप्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को हराकर पहली बार एशिया कप जीता।

लेकिन जल्द ही भारत की फॉर्म में गिरावट आई और वे टूर्नामेंट से शुरू में ही बाहर हो गए। भारतीय टीम 2005 में आठ देशों की राबो ट्रॉफी में सातवें स्थान पर खिसक गयी जबकि 2005 में ही चैंपियंस ट्रॉफी में भी आखिरी स्थान पर रही। टूर्नामेंट जीतने के लिए संघर्ष कर रही भारतीय टीम ने इसके बावजूद शीर्ष 10 में अपना स्थान बनाए रखा क्योंकि हॉकी रैंकिंग प्रणाली चार साल के चक्र के परिणामों पर विचार करती थी। 2007 चैंपियंस चैलेंज में कांस्य पदक से भी भारत को मदद मिली मगर भारतीय हॉकी की फॉर्म में गिरावट जल्द ही रैंकिंग में दिखाई देने लगी।

भारतीय टीम 2006 हॉकी विश्व कप में अपने सात में से पांच मैच हार गई और टूर्नामेंट में 11वें स्थान पर रही। टीम 80 वर्षों में पहली बार ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में विफल रही और बीजिंग 2008 में उसे बाहर रहना पड़ा।

निराशाजनक प्रदर्शन के कारण भारत 2008 में पहली बार हॉकी रैंकिंग के शीर्ष 10 से बाहर हो गया। पूर्व विश्व चैंपियन भारत ने 2010 में विश्व कप की मेजबानी की थी लेकिन पूल चरण में केवल एक बार जीत हासिल की और आठवें स्थान पर जगह बनायर। इससे भारत 12वें स्थान पर खिसक गया, जो अब तक की उनकी सबसे खराब हॉकी रैंक है।

अगले दशक में भारत के प्रदर्शन में धीरे-धीरे सुधार देखा गया। भारत ने 2014 एशियाई खेलों और 2017 एशिया कप के साथ-साथ चार बार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (2011, 2016 और 2018) जीती। भारत चैंपियंस ट्रॉफी, कॉमनवेल्थ गेम्स और हॉकी वर्ल्ड लीग में भी पदक विजेता रहा। हॉकी रैंकिंग में लगातार सुधार दिखाई दिया और 2020 में जब पुरानी रैंकिंग प्रणाली को बदला गया तो भारत पांचवें स्थान पर पहुंच गया।

टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद 2021 में भारतीय पुरुष हाकी टीम अपनी सर्वोच्च रैंकिंग 'तीन' पर पहुंच गयी। यह 41 वर्षों में उनका पहला ओलंपिक पदक था। तब से, भारतीय टीम एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2021, एफआईएच प्रो लीग 2021-22 और एशिया कप 2022 में तीसरे स्थान पर रहे। बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेल 2022 में उन्होंने रजत पदक जीता और फिर एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब दोबारा हासिल करने में सफल रहे। 2023 में टीम वर्तमान में विश्व में तीसरे स्थान पर है।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम हांगझाऊ पहुंचीं

बेंगलुरु, 19 सितंबर

भारतीय पुरुष हॉकी टीम 19वें एशियाई खेल हांगझाऊ 2022 में हिस्सा लेने के लिए मंगलवार को बेंगलुरु हवाई अड्डे से हांगझाऊ के लिए रवाना हो गई और टीम वहां पहुंच चुकी है।

भारतीय टीम 24 सितंबर को उज्बेकिस्तान के खिलाफ इस प्रतियोगिता में अपने अभियान की शुरुआत करेगी। भारत को पूल ए में पाकिस्तान, जापान, बांग्लादेश, सिंगापुर और उज्बेकिस्तान के साथ रखा गया है। पूल बी में कोरिया, मलेशिया, चीन, ओमान, थाईलैंड और इंडोनेशिया शामिल हैं। प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। करिश्माई डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह को एक बार फिर टीम का नेतृत्व करेंगे, जबकि हार्दिक उनके डिप्टी होंगे। हरमनप्रीत ने कहा कि टीम 19वें एशियाई खेलों हांगझाऊ 2022 के लिए कड़ी तैयारी कर रही है। हमने हाल ही में संपन्न एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 में अच्छा प्रदर्शन किया है, इसलिए लक्ष्य प्रदर्शन के उस स्तर को बनाए रखना है। हमारे पूल में कुछ कठिन प्रतिद्वंद्वी हैं, लेकिन हमें अपनी तैयारी पर भरोसा है और उम्मीद है कि हम पोडियम पर पहुंचेंगे। टीम में गोलकीपर पीआर श्रीजेश और कृष्ण पाठक शामिल हैं जबकि डिफेंडर की जिम्मेदारी वरुण कुमार, अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह और संजय के हाथों में होगी। मिडफील्ड की कमान नीलकंठ शर्मा, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, सुमित और शमशेर सिंह द्वारा संभाली जाएगी, जबकि आक्रमण का नेतृत्व अभिषेक, गुरजंत सिंह, मंदीप सिंह, सुखजीत सिंह और ललित कुमार उपाध्याय करेंगे। हांगझाऊ रवाना होने से पहले, उप कप्तान हार्दिक सिंह ने कहा कि टूर्नामेंट की अगुवाई में हमने कुछ कठिन अभ्यास सत्र किए हैं और शिविर में हर कोई एक ही लक्ष्य की ओर ध्यान केंद्रित करके काम कर रहा है। हम हांगझाऊ की यात्रा करने के लिए सर्वोत्तम मानसिक और शारीरिक स्थिति में हैं, और हम अपने ग्रुप में कड़ी प्रतिस्पर्धा की उम्मीद कर रहे हैं।

भारत 24 सितंबर को उज्बेकिस्तान से भिड़ेगा जबकि 26, 28 और 30 सितंबर को उसका मुकाबला क्रमशः सिंगापुर, जापान और पाकिस्तान से होगा। टीम अपना आखिरी ग्रुप स्टेज मैच दो अक्टूबर को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी।

रिकर्व तीरंदाजों के लचर प्रदर्शन के बीच अतनु दास पर दारोमदार

चेन्नई। अनुभवी अतनु दास अब भारत के शीर्ष तीरंदाज नहीं है लेकिन वह पिछले कुछ समय से खराब दौर से गुजर रही भारतीय रिकर्व तीरंदाजी टीम से आगामी एशियाई खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराने की जिम्मेदारी से पूरी तरह वाकिफ हैं। रिकर्व तीरंदाजी ओलंपिक खेलों का हिस्सा है। पिछले कुछ समय से जहां रिकर्व तीरंदाजी में गिरावट आ रही है वहीं गैर ओलंपिक कंपाउंड तीरंदाजी में भारतीय खिलाड़ी लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इस वर्ग में अब भारत के पास ओजस देवताले और अदिति स्वामी के रूप में दो विश्व चैंपियन है। पेरिस ओलंपिक से लगभग एक साल पहले आयोजित हो रहे एशियाई खेलों में रिकर्व तीरंदाजों पर अधिक दबाव है जिसमें कोई भी भारतीय विश्व रैंकिंग में शीर्ष -10 में नहीं है। भारत ने 2010 के ग्वांगझू एशियाई खेलों के बाद से रिकर्व तीरंदाजी में कोई व्यक्तिगत या टीम पदक नहीं जीता है। अपने तीसरे एशियाई खेलों में भाग लेने के लिए तैयार दास रिकर्व टीम के सबसे अनुभवी तीरंदाज है। भारतीय पुरुष रिकर्व टीम में सेना के होनहार तीरंदाज धीरज बोम्मदेवरा के साथ मृणाल चौहान और तुषार शेल्के की नये खिलाड़ियों की जोड़ी है। महिला वर्ग में दो बार की एशियाई खेलों की प्रतिभागी अंकिता भकत को सिमरनजीत कौर, भजन कौर और प्राची सिंह का साथ मिलेगा। दास ने सोनीपत से 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मैं टीम में अपनी जिम्मेदारी को लेकर वाकिफ हूं और हर कोई मुझ से मार्गदर्शन ले रहा है। सीनियर खिलाड़ी के तौर पर मैं टीम में अपने काम पर ध्यान केंद्रित रखने और एक टीम के रूप में कड़ी मेहनत करने और जीतने के लिए मार्गदर्शन करता हूं।''

कोच को मान्यता कार्ड दिलाने के लिए एनआरएआई ओसीए से मदद मांगेगा

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) मान्यता कार्ड हासिल करने में गड़बड़ी के बाद हांगझोउ में होने वाले एशियाई खेलों के लिए एक शॉटगन कोच को टीम में शामिल करने की कोशिश कर रहा है। एनआरएआई ने इस मामले में मदद के लिए एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) से संपर्क किया है। मान्यता कार्ड को लेकर भ्रम की स्थिति के कारण स्कीट दल को इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट में कोच के बिना उतरना पड़ सकता है। एक सूत्र ने बताया कि एनआरएआई ने एक अतिरिक्त मान्यता कार्ड के लिए ओसीए के कार्यवाहक प्रमुख रणधीर सिंह से मदद मांगी है। रणधीर अभी हांगझोउ नहीं पहुंचे हैं। भारतीय टीम के साथ अभी सिर्फ शॉटगन कोच विक्रम चोपड़ा को एशियाई खेलों की मान्यता मिली है और वह ट्रैप और स्कीट निशानेबाजों वाली भारतीय टीम के साथ जा सकते हैं। सूत्र ने कहा कि चोपड़ा एक ट्रैप कोच हैं और उनकी विशेषज्ञता को देखते हुए वह स्कीट निशानेबाजों की मदद करने में सक्षम नहीं होंगे। सूत्र ने कहा, ''रणधीर सिंह (शॉटगन में एशियाई खेलों के पूर्व स्वर्ण पदक विजेता) जल्द ही हांगझोउ पहुंचेंगे और एनआरएआई ने उनसे स्कीट कोच के लिए एक अतिरिक्त मान्यता कार्ड हासिल करने में मदद करने का अनुरोध किया है।'' टीम के दोनों विदेशी विशेषज्ञ, ट्रैप कोच मार्सेलो ड्राडी और स्कीट विशेषज्ञ एन्नियो फाल्को (दोनों इटली से) भी विभिन्न कारणों से एशियाई खेलों के दल का हिस्सा नहीं बन सके। सूत्र ने कहा, '' स्कीट निशानेबाजों के लिए यह अनिश्चितता का माहौल है। उन्हें नहीं पता कि उनके साथ कौन जाएगा।'' एनआरएआई के महासचिव सुल्तान सिंह ने हालांकि यह स्वीकार नहीं किया कि रणधीर से अनुरोध किया गया था। उन्होंने कहा, ''हम हर संभव तरीके से कोशिश कर रहे हैं जिससे हम उन्हें (पुरुष और महिला स्कीट टीम को) कुछ सहायता दे सकें। हमने जितेंद्र बेनीवाल (स्कीट कोच) को मान्यता के लिए ओसीए से संपर्क किया है।'' उन्होंने कहा, '' बेनीवाल का नाम पहले भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा एशियाई खेलों की आयोजन समिति को भेजी गई एथलीटों और कोच की 'लंबी सूची' में शामिल नहीं किया जा सका क्योंकि उन्होंने तब तक भारतीय खेल प्राधिकरण के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर नहीं किया था।

20 ओवर के मैच में मंगोलिया 15 रन पर ऑल आउट

हांगझाऊ, 19 सितंबर

एशियन गेम्स 2023 का रोमांच शुरू हो चुका है। हांगझोऊ में आयोजित इस मल्टी स्पोर्ट्स इवेंट में क्रिकेट भी शामिल है। टी20 फॉर्मेट में खेले जा रहे क्रिकेट मुकाबले में इंडोनेशिया और मंगोलिया की महिला टीमों के बीच भिड़ंत हुई। इस मैच में मंगोलिया की टीम का बुरा हाल हो गया और वह सिर्फ 15 रन के स्कोर पर ढेर हो गई। हैरानी की बात यह है कि 188 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मंगोलिया की टीम के 7 बैटर शून्य पर आउट हुए। तीन ही ऐसे खिलाड़ी रहे जो अपना खाता खोलने में सफल रहे। ऐसे में इंडोनेशिया

एशियन गेम्स महिला क्रिकेट

- इंडोनेशिया की महिला टीम ने मंगोलिया को 172 रन से हराया

की टीम ने इस मैच को 172 रन के बड़े अंतर से जीत लिया।

मंगोलिया की टीम ने इस मुकाबले में टॉस जीतने के बाद पहले फील्डिंग का फैसला किया था। इंडोनेशिया की टीम ने मंगोलिया की गेंदबाजों की जमकर धुनाई और 20 ओवर में 187 रन कूट दिए। टीम के लिए सबसे अधिक ली नुह देवी ने सबसे अधिक 62 रनों की पारी खेली। इसके अलावा नि पुतु आयु नन्दा साकारिणी ने 31 गेंद में 35 रनों की दमदार पारी खेली।

गेंदबाजी में भी इंडोनेशिया की महिला टीम ने खूब कहर बरपाया। मुकाबले में सबसे अधिक एंड्रियानी ने 3 ओवर में 8 रन देकर 4 विकेट अपने नाम किए। इसके अलावा नि पुतु आयु नन्दा साकारिणी और ली नूह देवी के खाते में दो-

दो विकेट आया। इस तरह 20 ओवर के खेल में मंगोलिया की टीम ने सिर्फ 15 रन के स्कोर पर ढेर हो गई। हालांकि मंगोलियाई टीम को समेटने में इंडोनेशिया को 10 ओवर लग गए। मलेशिया की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में नौ विकेट पर 104 रन ही बना सकी लेकिन उसने हांगकांग को 82 रन पर ढेर कर दिया।

हांगझाऊ में ट्रेनिंग सेशन के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम।

वनडे वर्ल्ड कप से पहले खलबली

फिक्सिंग से जुड़े केस में आईसीसी ने तीन भारतीयों समेत 8 को किया सस्पेंड, बांग्लादेश के नासिर हुसैन भी फंसे

ढाबा, 19 सितंबर

कुछ दिनों बाद ही वनडे वर्ल्ड कप की शुरुआत होनी है, दुनियाभर के क्रिकेट फैंस इस बड़े टूर्नामेंट का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन इससे पहले क्रिकेट जगत में खलबली मची है, क्योंकि एक लीग में आईसीसी ने मैच फिक्सिंग होने का खुलासा किया है और इसी आरोप में कई लोगों पर बैन लगाया गया है। आईसीसी ने एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड के अंतर्गत होने वाली अबुधाबी टी-10 लीग में कुल 8 लोगों पर गड़बड़ी के आरोप लगाए हैं।

आईसीसी के एंटी-करप्शन इकाई (एसीयू) ने बांग्लादेश के हरफनमौला खिलाड़ी नासिर हुसैन समेत अबू धाबी टी10 प्रतियोगिता की फ्रैंचाइज़ी पुणे डेविल्स के कुल आठ सदस्यों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाये हैं। यह आरोप 2020-21 में अबू धाबी में खेले गए संस्करण से जुड़े हैं। नासिर के अलावा डेविल्स टीम के सह-मालिक कृष्ण कुमार चौधरी, पराग सांघवी का नाम आगे आया है। इनके अलावा यूएई के घरेलू क्रिकेटर रिज़वान जावेद, श्रीलंका के सालिया समन, बल्लेबाज़ी कोच अशर ज़ैदी, सहायक कोच सनी ढिल्ल्न और टीम मैनेजर शादाब अहमद पर भी करप्शन के आरोप लगे हैं। 2021 के बाद डेविल्स की टीम इस टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं बनी है। उन्होंने उस साल सुपर लीग में छह मैचों में एक जीत हासिल करते हुए आख़िरी स्थान पर फ़िनिश किया था। एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड ने इस टूर्नामेंट को साफ़-सुथरा रखने के उद्देश्य से एसीयू को इस टूर्नामेंट पर निगरानी रखने की ज़िम्मेदारी दी थी। आठों आरोपियों को मंगलवार की घोषणा के बाद दो हफ़्ते में अपनी सफ़ाई पेश करने को कहा गया है। ईएसपीएनक्रिकइंफ़ो के अनुसारएसीयू की सूची पर काफ़ी ऊंचे स्थान पर नामी-गिनामी भ्रष्टाचारी डेविल्स की टीम को उनके मैचों के नतीजों पर प्रभाव डालने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि आईसीसी ने एक मीडिया रिलीज़ में बताया कि उन्होंने इन प्रयासों को 'विफल' कर दिया था। आठों पर अप्रोच ना रिपोर्ट करना, छानबीन में सहायता ना देना या उसमें देरी करना, जैसे आरोप तो लगे हैं ही, साथ में कई और आरोप भी लगाए गए हैं। सांघवी पर मैच के नतीजे या उसकी प्रगति पर जुआ खेलने का आरोप लगा है।

वहीं ज़ैदी, जावेद, समन और ढिल्ल्न पर मैच को फ़िक्स, नतीजे पर प्रभाव डालना या खेल को किसी तरह से बदलने का प्रयास करने का दोषी पाया गया। इसके अलावा जावेद और समन पर खिलाड़ी को भ्रष्टाचार करने पर प्रलोभन देने के आरोप भी लगे हैं। इन सब में हुसैन सबसे बड़े नाम हैं और बांग्लादेश के लिए तीनों प्रारूप खेल चुके हैं। उन पर 750 डॉलर (क़रीब 62,000 रुपये) से अधिक मूल्य का तोहफ़ा ना रिपोर्ट करने का आरोप लगा है, जो एसीयू संहिता के अनुसार अनिवार्य होता है

ऑस्ट्रेलिया सीरीज से पहले अश्विन की क्लब मैच में किफायती गेंदबाजी

चेन्नई, 19 सितंबर

एकदिवसीय विश्व कप में आखिरी बार खेलने का सपना संजोय अनुभवी भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने यहां क्लब स्तर के 50 ओवर के मैच में 10 ओवर की गेंदबाजी कर अच्छा अभ्यास किया।

हरफनमौला अक्षर पटेल के चोटिल होने के बाद अश्विन को विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू एकदिवसीय श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है।

सैंतीस साल के अश्विन को अगर विश्व कप के 15 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल किया जाता है तो वह 2011 विश्व कप का खिताब जीतने वाली टीम के दूसरे सदस्य होंगे जो आगामी वैश्विक टूर्नामेंट में खेलेंगे। अश्विन और विराट कोहली 2011 में विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय स्टार बनने के बाद भी क्लब क्रिकेट को हमेशा महत्व दिया है। वह मंगलवार को यहां टीएनसीए वीएपी ट्रॉफी में यंग स्टार्स क्रिकेट क्लब के खिलाफ मायलापुर रिक्रिएशनल क्लब ए के लिए मैदान पर उतरे।

अश्विन की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 285 रन बनाये। अश्विन ने 17 गेंद में 12 रन का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए यंग स्टार्स की टीम 48वें ओवर में 257 रन पर आउट हो गयी। अश्विन ने इस दौरान 10 ओवर में 30 रन देकर एक विकेट हासिल किया। डिरान वीपी ने 59 रन पर 4 विकेट लिए जिससे मायलापुर रिक्रिएशनल क्लब ए ने 28 रन की जीत

हासिल की। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुक्रवार को मोहाली में पहला एकदिवसीय खेलेगी। श्रृंखला के दो अन्य मैच 24 सितंबर (इंदौर) और 27 सितंबर (राजकोट) को खेले जायेंगे।

एशिया कप में हार के बाद बाबर आजम को मिला मियांदाद व मिस्बाह का समर्थन

कराची। पाकिस्तान के दिग्गज क्रिकेट खिलाड़ी जावेद मियांदाद और मिस्बाह उल हक ने मंगलवार को बाबर आजम का बचाव करते हुए कहा कि हाल ही में समाप्त हुए एशिया कप में खराब प्रदर्शन के लिए कप्तान को सीधे तौर पर दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए क्योंकि क्रिकेट एक टीम खेल है। मियांदाद और मिस्बाह ने यहां एक कार्यक्रम में देश के क्रिकेट अधिकारियों से इस हार के बाद ज्यादा घबराहट दिखाने से बचने की सलाह दी। मियांदाद ने कहा, ''सिर्फ बाबर आजम को दोष क्यों दिया जाए जब बाकी टीम ने भारत और श्रीलंका के खिलाफ एशिया कप मैचों में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। उन्होंने कहा, '' देखिए हमारी टीम उतनी बुरी नहीं है जितनी एशिया कप में खेली थी। विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करने की उसमें काफी संभावनाएं हैं। बस यह देखना है कि हमारे खिलाड़ी भारतीय परिस्थितियों में दर्शकों से भरे स्टेडियम से कैसे सामंजस्य बिठाते है। भारत में हमारे खिलाड़ियों को शत्रुता का सामना करना पड़ सकता है। मिस्बाह ने भी कहा कि पाकिस्तान तभी अच्छा करेगा जब टीम में सभी खिलाड़ी सामूहिक रूप से योगदान देंगे।

ससेक्स पर 12 अंकों का जुर्माना, चेतेश्वर पुजारा एक मैच के लिए निलंबित

होव (इंग्लैंड), 19 सितंबर

ससेक्स के कप्तान चेतेश्वर पुजारा इस हफ़्ते डर्बीशायर के विरुद्ध होने वाले मुक़ाबले का हिस्सा नहीं होंगे। काउंटी चैंपियनशिप के नियमों के हिसाब से एक सीज़न में किसी टीम को चार बार दुर्व्यवहार करने पर पेनल्टी प्वाइंट मिलने पर कप्तान को तुरंत निलंबित कर दिया जाता है। इसके साथ ससेक्स पर 12 अंकों की पेनल्टी भी लगी है।

साथ ही तीन और खिलाड़ी - जैक कार्सन, टॉम हेंज़ और आरी कारवेलास - को भी काउंटी ने एक मैच के लिए बाहर बैठाने का फ़ैसला किया है। पिछले हफ़्ते लेस्टरशायर पर रोमांचक 15 रनों की जीत में जयदेव उनादकट गेंद के साथ हीरो रहे थे, लेकिन अंतिम क्षणों में गरमाए हुए माहौल में खिलाड़ियों के व्यवहार को कैच पॉल फ़ारब्रेस ने दाग़ का दर्जा दिया था। होव में इस जीत ने काउंटी चैंपियनशिप के दूसरे डिविज़न से प्रोमोशन की उम्मीद जगाई थी, लेकिन 12 अंकों की पेनल्टी के चलते अब वह दो मैच रहते पायदान पर पांचवें स्थान पर उतर गए हैं। 22-वर्षीय ऑफ़ स्पिनर कार्सन को अंपायर्स ने तब चेतावनी दी थी जब ऐसा लगा कि वह लेस्टरशायर की दूसरी पारी में बल्लेबाज़ बेन कॉक्स को नॉनस्ट्राइकर छोर पर अड़ंगी देने की कोशिश कर रहे थे। इसके बाद उन्होंने ससेक्स वेबसाइट पर अपने आचरण पर माफ़ी मांगी थी।

ससेक्स के वनडे टीम के कप्तान और सलामी बल्लेबाज़ हेंस ने भी टीम के साथ अत्यधिक अपील करने के लिए माफ़ी मांगी थी। तेज़ गेंदबाज़ करवेलास तब तक बाहर बैठेंगे जब तक ₹लेस्टरशायर के ख़िलाफ़ हुई एक घटना की औपचारिक

जांच पूरी नहीं होती।

कोच फ़ारब्रेस ने कहा, डर्बीशायर के ख़िलाफ़ मैच के लिए हमने जैक और टॉम को चयन के लिए उपलब्ध नहीं किया है। अंपायर्स और मैच रेफ़री ने उन पर पहले और दूसरे स्तर के दुर्व्यवहार की सजा सुनाई थी। ऐसे में हमें ऐसा फ़ैसला लेना था जिससे हम बताएं कि ऐसा करना बिल्कुल सही नहीं है। इससे हम पर 12 अंकों का धक्का लगा है और ख़ास तौर पर हमने चेतेश्वर को खोया है। हमने यह भी तय किया कि जांच पूरी हो जाने तक आरी कारवेलास का खेलना भी उपयुक्त नहीं। यह लेस्टरशायर पर एक शानदार जीत पर बड़ा दाग़ है।

बीसीसीआई ने दिया रजनीकांत को गोल्डन टिकट

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपर स्टार रजनीकांत को आगामी क्रिकेट विश्व कप का गोल्डन टिकट दिया है।

बीसीसीआई बोर्ड के सचिव जयशाह ने आज भाषा और संस्कृति से परे जाकर लाखों लोगों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ने वाले महान अभिनेता रजनीकांत को गोल्डन टिकट प्रदान किया। बीसीसीआई ने एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने रजनीकांत को गोल्डन टिकट देकर सम्मानित किया। इस महान अभिनेता ने करोड़ों दिलों की धड़कन पर अपनी छाप छोड़ी है।

उन्होंने कहा कि हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि अभिनेता हमारे प्रतिष्ठित अतिथि के रूप में आईसीसी क्रिकेट विश्वकप 2023 की शोभा बढ़ाएंगे और अपनी उपस्थिति से इस सबसे बड़े क्रिकेट आयोजन की चमक बढ़ाये। उल्लेखनीय है कि भारत में होने वाले क्रिकेट विश्व कप में बीसीसीआई ने कुछ नामचीन हस्तियों को आमंत्रित करने का काम किया। 'गोल्डन टिकट फॉर इंडिया आइकॉन्स' नाम से आयोजित इस मुहिम के तहत कुछ सेलिब्रेटी और पूर्व क्रिकेटरों को बीसीसीआई की ओर से विश्व कप मैच देखने के लिए गोल्डन टिकट दिया जा रहा है। बीसीसीआई ने अमिताभ बच्चन-सचिन तेंदुलकर गोल्डन टिकट देकर विश्वकप मैच देखने के लिए आमंत्रित किया गया है। वहीं इस लिस्ट में अब एक और सुपरस्टार रजनीकांत भी बीसीसीआई की सूची में शामिल हो गये है।

वर्ल्ड कप से पहले शाहीन अफरीदी की मेहंदी

कराची। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी और राष्ट्रीय टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी की बेटी अंशा शाहिद का आज रुखसती (विदाई) समारोह होगा। साल की शुरुआत में इस

जोड़े का निकाह हुआ था। बीती रात, अफरीदी के घर पर मेहंदी कार्यक्रम (शादी से पहले का जश्न) रखा गया। इसमें रिश्तेदार और करीबी दोस्त शामिल हुए थे। इस समारोह में दूल्हा भी अपने परिवार के साथ शामिल हुआ। मौलाना अब्दुल सत्तार ने इसी साल फरवरी में जकारिया मस्जिद में निकाह कराया था। निकाह के तुरंत बाद, एक रिसेप्शन भी आयोजित किया गया जहां क्रिकेटर बाबर आजम, सरफराज अहमद, नसीम शाह और शादाब खान के साथ-साथ स्क्वॉश के दिग्गज जहांगीर खान भी मौजूद थे। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के महाप्रबंधक वसीम खान ने भी शिरकत की थी। इस जोड़ी की दो साल पहले सगाई हुई थी। वलीमा समारोह 21 सितंबर को संघीय राजधानी में आयोजित किया जाएगा। एक साक्षात्कार के दौरान 23 वर्षीय तेज गेंदबाज ने शर्माते हुए कहा कि, 'इस शादी के बारे में सोचने वाले वह पहले शख्स थे। लाला और मेरा भाई बहुत लंबे समय से दोस्त हैं और हमारे बुजुर्ग भी एक-दूसरे को जानते हैं।

पूरी तरह फिट और राष्ट्रीय टीम में वापसी को तैयार हूं: दीपक चाहर

नई दिल्ली, 19 सितंबर

भारतीय टीम के स्विंग गेंदबाज दीपक चाहर चोट से उबर कर पूरी तरह से फिट हैं और राष्ट्रीय टीम में बुलावे का इंतजार कर रहे हैं। दीपक ने मंगलवार को दिल्ली में अपने नए ब्रांड 'डीनाइन' के लांच के मौके पर कहा कि हर क्रिकेटर की तरह उनका सपना भी भारत के लिए विश्व कप जीतना है।

मैंने हाल ही में अभ्यास भी किया

भारत के लिए 37 मैच (13 एकदिवसीय और 24 टी20 अंतरराष्ट्रीय) खेल चुके इस खिलाड़ी ने न्यूज एजेंसी 'भाषा' को दिये साक्षात्कार में कहा कि मैं पूरी तरह से फिट हूं और राष्ट्रीय टीम में वापसी के लिए कोशिश कर रहा हूं। मैंने हाल ही आरपीएल (राजस्थान प्रीमियर लीग) टूर्नामेंट खेला है। रविवार तक मैं राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में था। भारतीय टीम एशियाई खेलों के लिए चीन जा रही है, मैं उनके साथ अभ्यास कर रहा था।

खिलाड़ी को कभी निराश नहीं होना चाहिए

अपने अंतरराष्ट्रीय कैरियर के दौरान ज्यादातर समय तक चोट के कारण टीम से बाहर रहने वाले दीपक का मानना खिलाड़ी को निराश होने की जगह ऐसी परिस्थितियों के लिए तैयार रहना चाहिये। भारत के लिए दिसंबर 2022 में अपना पिछला मैच खेलने वाले 31 साल के इस गेंदबाज ने कहा, '' एक खिलाड़ी के लिए निराश होना अच्छा नहीं होता। जो चीज आपके हाथ में नहीं है उसे आप नियंत्रित नहीं कर सकते हैं। मेरे हाथ में फिट रहना और टीम के लिए उपलब्ध रहना है। मैं उस मामले में तैयार हूं और जब भी मौका मिलेगा टीम के लिए शत प्रतिशत दूंगा।''

चोट के कारण मेरा कैरियर प्रभावित हुआ है

दीपक चोट के कारण भारतीय टीम से बाहर हुए और आगामी विश्व कप तथा एशियाई खेलों की टीम में उन्हें जगह नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि चोट के कारण मेरा करियर काफी प्रभावित हुआ है। खिलाड़ियों का चोटिल होना उनकी शरीर के प्रकार पर भी निर्भर करता है। कुछ लोग कम चोटिल होते हैं लेकिन मैं अपनी तरफ से सब कुछ करने के बाद भी ज्यादा चोटिल होता हूं। मैं खान-पान, अभ्यास और प्रशिक्षण पर पूरा ध्यान देता हूं।

कह सकते हैं, मेरा समय खराब

उन्होंने कहा कि मेरे मामले में यह भी कह सकते है कि मेरा समय खराब चल रहा था। पिछले साल मेरे पीठ में चोट लगी और तेज गेंदबाज के लिए यह काफी खतरनाक होता है लेकिन अब मैं पूरी तरह से फिट हूं। मैं इस समय अपनी गेंदबाजी से काफी खुश हूं।

धौनी के चेहते खिलाड़ियों में हैं चाहर

गेंदबाजी के साथ निचले क्रम में बल्लेबाजी के लिए जाने-जाने वाले दीपक लंबे समय से इंडियन प्रीमियर लीग में महेंद्र सिंह धौनी की अगुवाई वाली टीम चेन्नई सुपर किंग्स के सदस्य है। वह धौनी के चहेते खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने कहा कि मैं काफी किस्मत वाला हूं कि माही भाई के साथ इतना समय बिताने का मौका मिला। मैं पिछले कई वर्षों से उनके साथ खेल रहा हूं। मैं उनको बड़ा भाई मानता हूं और उन्हें अपना आदर्श खिलाड़ी मानता हूं। वह मुझे छोटा भाई मानते हैं। एक खिलाड़ी और इंसान के तौर पर उनकी काफी इज्जत करता हूं। उनसे काफी कुछ सीखा है।''

विश्व कप खेलना सपना

भारत के लिए एकदिवसीय में 13 और टी20 अंतरराष्ट्रीय में 29 विकेट लेने वाले इस गेंदबाज ने कहा ने कहा कि वह आम तौर पर अपने पहले टूर्नामेंट में खिताब जीतते हैं और आने वाले समय में अगर किसी विश्व कप में भारतीय टीम के लिए चुने जाते हैं तो उन्हें फिर से किस्मत का साथ मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, '' हर क्रिकेट खिलाड़ी का सपना होता है विश्व कप खेलना और भारत के लिए इसे जीतना। जब भी मुझे मौका मिलेगा मैं इसे पूरा करने की कोशिश करूंगा। मेरा साथ यह कई बार हुआ है कि जब मैंने किसी टूर्नामेंट में पहली बार भाग लिया तो टीम चैंपियन बनी है। 2018 में भारतीय टीम ने एशिया कप का खिताब जीता था तब मैं टीम में था। आईपीएल में छह सत्र में पांच फाइनल खेल चुका हूं और तीन बार चैम्पियन बना हूं। आरपीएल के पहले सत्र में मेरी टीम जीती थी।'' उन्होंने कहा, अभी तक विश्व कप नहीं खेला हूं और जब भी विश्व कप खेलूं तो टीम की जीत में मेरा योगदान हो। जब भी मौका मिलेगा अपना सब कुछ झोक दूंगा। देश के लिए विश्व कप जीतना हर खिलाड़ी का सपना होता है।

खेल पोशाक की कंपनी खोली है चाहर ने

उन्होंने कहा कि क्रिकेट में गेंदबाज को चोटिल होने से बचाने में जूतों का काफी अहम योगदान होता है उन्होंने खेल पोशाक की अपनी कंपनी शुरू की है जिसमें कम

कीमत में आरामदायक जूतों को तैयार करने पर ध्यान दिया जा रहा है। इन जूतों को तैयार करने में महेंद्र सिंह धौनी और कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों का सुझाव भी लिया गया है। उन्होंने कहा कि गेंदबाजों के जूते काफी महंगे होते है इसलिए मैंने कम कीमत में ऐसे जूते तैयार किये हैं तो आरामदायक हो और चोटिल होने से बचायें। इन जूतों को आईपीएल के दौरान धौनी ने भी आजमाया है और इसमें उनके सुझाव को भी ध्यान रखा गया है।

फॉर्म में लौटने के लिए आयरलैंड के खिलाफ पहले वनडे में खेलेंगे जो रूट

लीड्स, 19 सितंबर

भारत में अगले महीने से शुरू होने वाले वनडे विश्वकप से पूर्व फॉर्म में लौटने की कवायद मे इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट बुधवार को यहां आयरलैंड के खिलाफ होने वाले पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में खेलेंगे। इंग्लैंड ने आयरलैंड के खिलाफ जॉक क्राउली की अगुवाई में पहले जिस 13 सदस्यीय टीम का चयन किया था उसमें विश्व कप के लिए चुनी गई टीम का कोई खिलाड़ी शामिल नहीं था, लेकिन रूट ने पहले वनडे में खेलने की इच्छा जताई जिसके बाद उन्हें हैरी ब्रुक की जगह टीम में शामिल किया गया। ब्रूक पहले विश्वकप की संभावित टीम में नहीं थे लेकिन रविवार को उन्हें जैसन राय की जगह मुख्य टीम में शामिल कर दिया गया इंग्लैंड के राष्ट्रीय चयनकर्ता ल्यूक राइट ने कहा कि रूट ने आयरलैंड के खिलाफ पहले वनडे में खेलने की इच्छा जताई थी। राइट ने कहा,'' वह क्रीज पर कुछ और समय

▶आज खेला जायेगा पहला वनडे मुकाबला

बिताना चाहते हैं और यह अच्छी बात है कि कोई खिलाड़ी अपनी तरफ से अधिक से अधिक योगदान देने की इच्छा रखता है। जब हम सोच रहे थे कि उन्हें थोड़ा विश्राम की जरूरत है तब वह एक और मैच में खेलने की इच्छा रखते हैं।''रूट हाल में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। उन्होंने पहले तीन मैचों में छह, शून्य और चार रन बनाए जबकि चौथे वनडे में 40 गेंदों पर 29 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेली थी।

रोहित शर्मा अश्विन को मैच विजेता के रूप में देखते हैं : सबा करीम

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर सबा करीम ने रविचंद्रन अश्विन की भारत की वनडे टीम में वापसी पर खुशी जताई। करीम ने जियोसिनेमा को बताया, ''मुझे लगता है कि रोहित शर्मा रविचंद्रन अश्विन को एक मैच विजेता के रूप में देखते हैं और वह सफेद गेंद क्रिकेट में जिस तरह का दृष्टिकोण दिखाना चाहते हैं, उसे लेकर वह बहुत स्पष्ट हैं। अब विश्व कप आने के साथ वह एक दिवसीय क्रिकेट की गतिशीलता को अच्छी तरह से समझते हैं और जानते हैं कि उन्हें ऐसे खिलाड़ियों को चुनना होगा जिनकी उस तरह की आक्रामक मानसिकता हो।'' उन्होंने कहा, ''वह यह भी जानते हैं कि उनकी गेंदबाजी लाइनअप में, उन्हें छह में से कम से कम पांच विकेट लेने वाले विकल्प रखने होंगे और अगर उनके पास ग्यारह में अश्विन हैं, तो वह आक्रामक विकल्प उपलब्ध है। यदि आप अन्य सभी खिलाड़ियों को देखें जो रिजर्व में हैं - तो उन सभी की मानसिकता आक्रामक है। इसलिए, मुझे लगता है कि रोहित शर्मा उस आक्रामक दृष्टिकोण को जारी रखना चाहते हैं जिसे हमने एशियाई चुनौती में भारतीय टीम को खेलते हुए देखा था।'' करीम ने आगे श्रेयस अय्यर के टीम में चयन को लेकर भी बात की।

पाकिस्तान बनाम न्यूजीलैंड वर्ल्ड कप अभ्यास मैच में फैंस को इंट्री नहीं

नई दिल्ली, 19 सितंबर

29 सितंबर से पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच वर्ल्ड कप अभ्यास मैच खेला जाना है। लेकिन इस अभ्यास मैच में फैंस की मौजूदगी दर्ज नहीं होगी। दरअसल, पर्याप्त सुरक्षा कमी के कारण ये फैसला लिया गया है।

पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच 29 सितंबर से वर्ल्ड कप अभ्यास मैच खेला जाना है। लेकिन इस अभ्यास मैच में फैंस की मौजूदगी दर्ज नहीं होगी। दरअसल, पर्याप्त सुरक्षा कमी के कारण ये फैसला लिया गया है।

कोई भी फैन मैदान में नहीं होगा। ये मुकाबला हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं फैंस को उनके टिकट बुकिंग के पैसे लौटाएगा। बता दें कि, बीसीसीआई के अधिकारी ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि, खेल दर्शकों के बिना खेला जाएगा और जिन फैंस ने टिकट बुक किए हैं उनके पैसे वापस कर दिए जाएंगे।

पुलिस ने हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन से खेल को स्थगित करने के लिए कहा था। इसकी वजह पर्याप्त सुरक्षा जुटाने में वो सक्षम नहीं होंगे। दरअसल, 28 सितंबर को समाप्त होने वाले त्योहारों गणेश विसर्जन और मिलन उन नबी के कारण ये फैसला लिया गया है। कार्यक्रम पहले ही बदल दिया गया था। आयोजक अनुरोध स्वीकार करने में असमर्थ थे और इसलिए अब ये निर्णय लिया गया है कि दर्शकों की इंट्री पर रोक लगा दी जाएगी।

वहीं सुरक्षा एजेंसियों ने पहले 9 अक्टूबर और 10 अक्टूबर को हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में होने वाले दो लगातार वर्ल्ड कप 2023 लीग खेलों पर आपत्ति जताई थी। 9 अक्टूबर को इस मैदान पर न्यूजीलैंड बनाम नीदरलैंड के बीच मुकाबला होगा। वहीं 10 अक्टूबर को पाकिस्तान बनाम श्रीलंका के बीच मुकाबला खेला जाना है। एक मैच के लिए लगभग 3,000 पुलिस कर्मियों को तैनात किया जाएगा और जिस होटल में पाकिस्तान टीम ठहरेगी वहां बड़ी संख्या में पुलिस कर्मी तैनात होंगे।

घरेलू हिंसा मामले में मोहम्मद शमी को मिली जमानत

कोलकाता। कोलकाता की एक निचली अदालत ने मंगलवार को भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को उनकी पत्नी हसीन जहां द्वारा उनके खिलाफ दायर घरेलू हिंसा के मामले में जमानत दे दी। शमी के बड़े भाई मोहम्मद हसीब को भी मंगलवार को इसी अदालत ने जमानत दे दी थी. मंगलवार को दोनों भाई निचली अदालत में पेश हुए जहां उनके वकील ने जमानत याचिका दायर की जिसे अंततः मंजूर कर लिया गया। मार्च 2018 में भारत के तेज गेंदबाज की पत्नी ने घरेलू हिंसा का मामला दर्ज कराया था। अपनी शिकायत में, उन्होंने शमी के कथित 'विवाहेतर' संबंधों का विरोध करने के बाद शमी पर शारीरिक उत्पीड़न करने का आरोप लगाया था। पुलिस ने इस मामले में शमी और उनके बड़े भाई से भी पूछताछ की थी और दोनों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया था. हालाँकि, कोलकाता की एक निचली अदालत ने उस वारंट पर रोक लगा दी थी। इसके बाद जहां ने निचली अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।